वृहद जल परिवहन प्रणालियों के लिए वैकल्पिक प्रौद्योगिकी समय की मांग–गडकरी

केन्द्रीय जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्री श्री नितिन गडकरी ने कहा है कि देश में वृहद जल परिवहन प्रणाली के लिए वैकल्पिक प्रोद्योगिक का इस्तेमाल समय की मांग है। नई दिल्ली में आज ''अधिक मोटाई वाले पाइपों के इस्तेमाल'' पर एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए श्री गडकरी ने पावर ग्रिड और सड़क नेटवर्क की तर्ज पर देश में जल ग्रिडों के विकास की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमारे देश में पानी की कमी नहीं है, लेकिन जल संसाधनों की उचित योजना और प्रबंधन की कमी है। उन्होंने कहा कि देश में 25 से 30 प्रतिशत कृषि क्षेत्र से जुड़े कामगार गांव से शहरी इलाकों की तरफ केवल इसलिए पलायन करते हैं, क्योंकि उन्हें सिंचाई और कृषि के क्षेत्र से जुड़ी अन्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ड्रिप सिंचाई के जरिए जल संसाधनों के प्रभावी इस्तेमाल के महत्व की चर्चा करते हुए श्री गडकरी ने मध्य प्रदेश का उदाहरण दिया, जिसने ड्रिप सिंचाई को बढ़ावा देकर कृषि के क्षेत्र में 23 प्रतिशत विकास दर हासिल कर ली है,जबकि राष्ट्रीय औसत केवल 4 प्रतिशत है। श्री गडकरी ने 8 लाख करोड़ रुपये के व्?यय से देश में नदियों को जोड़ने की 30 प्रस्तावित परियोजनाओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि हमारे सामने चुनौती है कि हम उपयुक्त सस्ती, पर्यावरण अनुकूल प्रौद्योगिकी का पता लगाएं,ताकि गुणवत्ता से समझौता किए बिना तेजी से जल का हस्तांतरण हो सके। केन्द्रीय जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण राज्य मंत्री डॉ. सत्यपाल सिंह ने कहा कि हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता 'हर खेत को पानी' और 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' है, क्योंकि 2022 तक किसानों की आमदनी दोगुना करना प्रधानमंत्री का सपना है। उन्होंने कहा कि नहरों के जरिए सिंचाई और जल परिवहन काफी महंगा है और पर्यावरण तथा वनों की निकासी तथा भूमि अधिग्रहण जैसी समस्याओं के कारण इसमें काफी समय लग जाता है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में नहरों के स्थान पर जल परिवहन के लिए पाइपों का इस्तेमाल शुरू कर दिया गया है। डॉ. सिंह ने विशेषज्ञों से आग्रह किया वे 'हर खेत को पानी' के उद्देश्य पूरा करने के लिए सस्ते और पर्यावरण अनुकूल विकल्पों का पता लगाएं। जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय में सचिव श्री यू.पी. सिंह ने जल परिवहन के लिए अधिक मोटाई वाले पाइपों के फायदों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि देश में कई वर्षों से अनेक नहरों का निर्माण किया जा रहा है, लेकिन वह अभी भी पूरा नहीं हुआ है। नहर प्रणाली के विपरीत पाइपों के जरिए जल परिवहन के लिए भूमि अधिग्रहण और वन की निकासी की जरूरत नहीं पड़ती। जल के दूषित होने और वाष्पीकरण के कारण नुकसान की समस्याएं काफी कम हो जाती है। श्री सिंह ने कहा कि देश को सस्ती और पर्यावरण अनुकूल प्रौद्योगिकी की जरूरत है।

भारत के राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविन्द का 'जस्टिस एंड केयर' के समारोह में सम्बोधन

1. आज यहां आपके बीच आकर मुझे हार्दिक प्रसन्नता हुई है। प्रसन्नता इस बात की है कि यह आयोजन एक सराहनीय सामाजिक पहल से जुड़ा हुआ है। ऐसे कार्यों से समाज को प्रेरणा मिलती है। इस दिशा में जस्टिस एंड केयर का योगदान उल्लेखनीय है। संस्था की उपलब्धियों के लिए मैं जस्टिस एंड केयर से जुड़े हर व्यक्ति को बधाई देता हूं।

2. हम आज सूचना क्रांति के उस दौर में हैं, जहां सामाजिक बुराइयों पर खुलकर बातें होने लगी हैं। लोग आपस में सलाह-मशविरा कर रहे हैं, चर्चा कर रहे हैं और इससे समाधान भी निकल रहे हैं। लेकिन, कुछ सामाजिक बुराइयों पर अभी समाज में चर्चा कम होती है। इन्हीं में से एक है- मानव तस्करी यानि कि Human trafficking। यह हमारे देश के लिए ही नहीं, दुनिया भर के लिए एक अभिशाप है। मानव तस्करी जैसी अमानवीयता का शिकार वैसे तो लड़के-लड़कियां- दोनों ही होते हैं, लेकिन मानव तस्करी का दंश झेलने वाली कच्ची उम्र की बेटियों पर इसका प्रभाव अधिक भयावह होता है। मानव तस्करों के चंगुल में फंसकर वे ऐसी गहरी समस्याओं में उलझ जाती हैं, जिनसे बाहर आना बहुत मुश्किल हो जाता है।

3. मानव तस्करी कोई सामान्य अपराध नहीं है। यह, संपूर्ण मानवता के विरुद्ध किया जाने वाला अपराध है। इसमें मानव जीवन का व्यापार होता है। मानव तस्कर कमजोर वर्गों को अपना लक्ष्य बनाते हैं,जिनके पास ऐसी स्थिति से निपटने के पर्याप्त साधन नहीं होते।

4. ऊपर से देखने पर यह प्रतीत हो सकता है कि इससे केवल एक ज़िंदगी प्रभावित होती है या फिर एक परिवार प्रभावित होता है। लेकिन, हक़ीक़त यह है कि सामाजिक इकाई का सदस्य होने के नाते मानव तस्करी की त्रासदी, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप में हम सबको प्रभावित करती है।

5. मुझे बताया गया है कि पिछले तीन वर्षों में मानव तस्करी के मामलों में 39 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है और दुनिया भर में 4 करोड़ से अधिक लोग इस अपराध से प्रभावित हैं।

6. विडंबना यह है कि समाज में इस अपराध और इसकी भयावहता के बारे में जानकारी कम है। प्रत्यक्ष रूप से इससे पीड़ित लोगों की संख्या इतनी बड़ी नहीं है कि उनकी समस्याओं के समाधान के लिए किसी सामाजिक पहल के साथ लोगों को जोड़ना आसान हो। लेकिन, इस सामाजिक समस्या पर ठीक से ध्यान दिया जाना जरूरी है।

7. इन परिस्थितियों में, मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने मानव तस्करी निरोधक विधेयक-2018 को मंजूरी दे दी है। अन्य बातों के साथ-साथ विधेयक में प्रावधान है कि मानव तस्करी का अपराधी पाए जाने पर व्यक्ति को 10 साल की सज़ा हो सकती है। विधेयक में यह प्रावधान भी किया गया है कि पीड़ितों को 60 दिन के भीतर पूरी राहत मिले। इसके लिए एक कोष का सृजन किया जाएगा, जिसकी सहायता से पीड़ितों के लिए कल्याणकारी कार्यक्रम चलाए जाएंगे। विधेयक का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि मानव तस्करी से जुड़े मामलों के समाधान के लिए जिला स्तर पर विशेष अदालतें बनाई जाएंगी।

8. मुझे विश्वास है कि इस विधेयक के पास होने से, मानव तस्करी के ख़िलाफ़ काम कर रहे लोगों और संस्थाओं के हाथ मज़बूत होंगे।

9. जस्टिस एंड केयर, मानव तस्करी जैसे जघन्य अपराध के विरुद्ध लड़ाई लड़ रही है। संस्था ने अपनी लगन और मेहनत से, पीड़ितों को समाज की मुख्य धारा में लाने में भी सफलता पाई है। मैं 'जस्टिस एंड केयर' की टीम को फिर से बधाई देता हूं कि पिछले दस सालों में उन्होंने, मानव तस्करी की शिकार हुई 4,500 से अधिक महिलाओं का पुनर्वास किया है।

फिल्म 'कयामत से कयामत तक' के साथ ज़ी क्लासिक मना रहा है परफेक्शनिस्ट आमिर खान का जन्मदिन

14 मार्च 1965 को भारत के एक रूढ़िवादी परिवार में एक लड़के ने जन्म लिया। उसके परिवार समेत सारी दुनिया को क्या पता था कि यह लड़का आगे चलकर इस देश के सबसे बड़े सुपरस्टार्स में से एक बन जाएगा, जिसे अपने बेहतरीन अभिनय के लिए सराहा जाएगा। इस लड़के ने खुद अपनी तकदीर लिखी और अपना एक मजबूत मुकाम बनाया। आज वे बॉलीवुड के सबसे शानदार अभिनेताओं में से एक बन गए है। यह लड़का कोई और नहीं, बल्कि एक्टर आमिर खान हैं।

अपने नन्हें कदमों से फिल्मी दुनिया में प्रवेश करते हुए आमिर खान, सबसे पहले 1973 की क्लासिक हिट फिल्म 'यादों की बारात' में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट नजर आए थे। इस फिल्म का निर्देशन उनके चाचा नासिर हुसैन ने ही किया था। तब से आमिर खान ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और अलग-अलग किरदार बखूबी निभाकर मनोरंजन जगत में अपनी एक खास पहचान बनाई। चाहे वह कॉमेडी, एक्शन, ड्रामा या रोमांस हो, आमिर खान ने हर विधा में आजमाए और हर किरदार को पूरी शिद्दत से निभाया। मनोरंजन जगत में उनकी इसी यात्रा के साथ-साथ उनके जन्मदिन का जश्न मनाते हुए ज़ी क्लासिक 'वो ज़माना करे दीवाना' की अपनी ब्रांड विचारधारा के साथ उनकी कल्ट क्लासिक फिल्म 'कयामत से कयामत तक' दिखाने जा रहा है। इस फिल्म का प्रसारण बुधवार 14 मार्च 2018 को शाम 7 बजे किया जाएगा। (19-8)

हिमालया के नए फेशियल वाईप्स के साथ ऑन-द-गो फ्रेशनेस पाईये

भारत, हिमालया ने फेशियल वाईप्स पेश किए, जो स्किन को मॉईस्चुराईज़ करके सुरक्षा व ताजगी प्रदान करते हैं। फेशियल वाईप्स दो तरह के हैं - हिमालया प्योरिफाईंग नीम फेशियल वाईप्स और हिमालया माईस्चुराईज़िंग एलोवेरा फेशियल वाईप्स। हिमालया प्योरिफाईंग नीम फेशियल वाईप्स त्वचा को स्वच्छ करके सुरक्षा प्रदान करते हैं। इनमें एंटीबैक्टीरियल नीम और हल्दी के गुण हैं। ये वाईप्स न केवल अशुद्धियों को दूर करते हैं, बल्कि फेशियल स्किन को स्वच्छ करके इसे शुद्ध व तरोताजा भी बनाते हैं।

हिमालया मॉईस्चुराईज़िंग एलोवेरा फेशियल वाईप्स में एलोवेरा है, जो फेशियल स्किन को नम व तरोताजा बनाता है। यह मिश्रण बहुत कोमल और प्राकृतिक है। यह फेशियल स्किन में नमी का संतुलन बरकरार रखता है।

फेशियल स्किन को नमी व पोशण प्रदान करने के अलावा ये वाईप्स मेकअप को हटाने में भी सहयोग करते हैं। हिमालया फेशियल वाईप्स खुलने में आसान और रिसीलिएबल पैकेजिंग में आते हैं, ताकि इसकी नमी व ताजगी बनी रहे। ये वाईप्स अल्कोहल व पैराबेंस रहित हैं। (19-10)

पीएफआरडीए ने फिक्की के साथ मिलकर कंपनियों के लिए राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली पर एक सम्मेलन आयोजित किया

पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने कंपनियों के बीच एनपीएस को बढ़ावा देने के अपने प्रयास के तहत देश के विभिन्न स्थानों पर एनपीएस कार्यशालाएं आयोजित करने की शुरूआत की है। पीएफआरडीए ने फिक्की की महाराष्ट्र राज्य परिषद के साथ मिलकर कल मुंबई में एक कॉरपोरेट सम्मेलन आयोजित किया।

फिक्की महाराष्ट्र राज्य परिषद के अध्यक्ष और सेंट्रम ग्रुप के कार्यकारी अध्यक्ष श्री जसपाल बिन्द्रा ने अपने स्वागत भाषण में देश भर में ऐसी बैठकें आयोजित करने और एनपीएस के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए पीएफआरडीए के प्रयासों की सराहना की, जो कंपनियों के लिए एक प्रभावी मंच हो सकता है, जिसके जरिए कंपनियां अपने कर्मचारियों को पेंशन प्रदान कर वृद्धावस्था में उनकी आय संबंधी सुरक्षा सुनिश्चित कर सकती हैं।

पीएफआरडीए के कार्यकारी निदेशक श्री ए.जी. दास ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया और उन्हें वृद्धावस्था आय सुरक्षा के लिए एनपीएस की रूपरेखा की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि देश के बदलते परिवेश में पेंशन एक ऐसा महत्वपूर्ण कारक है जिसके बारे में सभी को सोचना चाहिए। सरकार द्वारा संवर्धित राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) समाज के प्रत्येक वर्ग को सेवानिवृत्ति के लिए बचत करने का मंच प्रदान करती है। उन्होंने उपस्थित जन समूह से आग्रह किया कि वे न केवल कर लाभ के लिए एनपीएस के बारे में सोचें बल्कि उसे एक ऐसा उत्पाद समझें जो बाजार से जुड़ा मुनाफा दिला सकता है और वृद्धावस्था में उनकी नियमित आमदनी करवा सकता है।

इंदिरा गांधी विकास अनुसंधान संस्थान के प्रोफेसर डॉ. सूसन थॉमस ने सेवानिवृत्ति की बचत के रूप में एनपीएस की भूमिका के बारे में उपस्थित प्रतिनिधियों को जानकारी दी और इसकी शुरूआती भूमिका, वर्तमान छूट और एनपीएस को ग्राहकों के बीच अधिक स्वीकार्य बनाने के लिए जिन नीतिगत मुद्दों को सुलझाने की आवश्यकता है, उन मुद्दों और देशभर में इसकी कवरेज बढ़ाने के बारे में जानकारी दी। उन्होंने वृद्धावस्था में आय सुरक्षा की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि चिकित्सा क्षेत्र की प्रगति के कारण लोगों की आयु बढ़ रही है और उन्हें सेवानिवृत्ति के बाद सम्मानजनक जीवन जीने की तैयारी कर लेनी चाहिए।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के वरिष्ठ महाप्रबंधक श्री धनराज अंचन ने संगठन में एनपीएस करने की आवश्यकता और उसके फायदों की जानकारी दी। उन्होंने एनपीएस के अंतर्गत कंपनियों और कर्मचारियों को होने वाले फायदों की संक्षिप्त में जानकारी दी।

महाप्रबंधक श्री मोनो एम.जी. फुकन ने एनपीएस के बारे में विस्तृत प्रस्तुति दी और इसकी विशेषताएं, लाभ तथा इसमें शामिल होने के बारे में कर्मचारियों और नियोक्ता को जानकारी दी।

सीआरए-एनएसडीएल, की एवीपी सुश्री कमलम वेंकटेशन ने एनपीएस के अंतर्गत कंपनियों और उसके कर्मचारियों के पंजीकरण के प्रवाह के बारे में प्रस्तुति दी।

भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता बोर्ड (आईबीबीआई) की ओर से विनियमन 2018 के (जारी करने की प्रक्रिया) मसौदे पर सुझाव आमंत्रित

दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 आर्थिक सुधार से संबधित नया कानून है। संहिता की धारा 240 दिवाला और शोधन अक्षमता बोर्ड (आईबीबीआई) को तय नियमों के अधीन कानून बनाने का अधिकार प्रदान करती है बशर्ते वे (ए) कोड के प्रावधानों को पूरा करते हों (बी) बनाए गए कानून कोड और नियमों के अनुरूप हों (सी) आधिकारिक गजट में प्रकाशित अधिसूचना के तहत बनाई गए हों; और (डी) संसद के प्रत्येक सदन में 30 दिन पहले पेश की गये हों।

आईबीबीआई ने विनियमन बनाने के लिए एक पारदर्शी और परामर्श प्रक्रिया विकसित की है। आईबीबीआई का प्रयास है कि विनियमन बनाने की प्रक्रिया में प्रभावी ढंग से हितधारकों को शामिल किया जाए। प्रक्रिया आम तौर पर कार्य समूह द्वारा नियमों का मसौदा बनाए जाने से शुरु होती है। आईबीबीआई इसके बाद इस मसौदे को सार्वजनिक करते हुए उनपर लोगों से सुझाव आमंत्रित करता है। हितधारकों के साथ मसौदे के नियमों के बारे में कुद दौर की गोलमेज चर्चा भी की जाती है। फिर इसपर सलाहकार समिति की सलाह ली जाती है जिसके बाद आईबीबीआई का गवर्निंग बोर्ड नियमों को अंतिम रूप देता है फिर उन्हें अधिसूचित किया जाता है। इस प्रक्रिया से विनियमन जमीनी वास्तविकताओं के अनुरुप बनते हैं। विनियमन का स्वामित्व सुरक्षित होता है, उसे लोकतांत्रिक वैधता मिलती और वे सशक्त और सटीक बनते हैं, जो समय के अनुरुप तथा लक्षित उद.देश्यकों को पूरा करने में सक्षम होते हैं।

सार्वजनिक परामर्श से सबकी रजामंदी हासिल होती है जो नियामक ढांचे के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। विनियामक प्रक्रिया में जनता, विशेष रूप से हितधारकों की भागीदारी, यह सुनिश्चित करती है कि विनियमन उन हितधारकों की वैधानिक आवश्यकताओं के अनुरुप हैं जो इससे प्रभावित होने वाले हैं। संहिता की धारा 196 (1) (एस) यह निर्दिष्ट करती है कि आईबीबीआई नियमों को अधिसूचित करने के पहले इन्हे जारी करने की एक निश्चित प्रक्रिया तय करे जिसमें सार्वजनिक स्तर पर परामर्श भी शामिल हो। इस सोच और वैधानिक आवश्यकताओं के बीच समन्वय बनाते हुए ही आईबीबीआई ने नियमों को संचालित करने की पक्रिया तय करने और इस संबंध में जनता से परामर्श लेने का प्रस्ताव रखा है। इसी क्रम में आईबीबीआई ने हितधारकों और इस नए कानून से प्रभावित होने वाले लोगों से विनयिमन के मसौदे पर सुझाव मांगे हैं। विनियमन मसौदा इस प्रेस विज्ञप्ति के साथ संलग्न है और www.ibbi.gov पर उपलब्ध है। सुझाव विनियमन जारी करने की प्रक्रिया शीर्षक से feedback@ibbi.gov.in पर 31 मार्च 2018 तक भेजे जा सकते हैं।

पीआरएस आई - अहमदाबाद चेप्टर द्वारा राष्ट्रीय महिला दिन का उत्सव मनाया गया

अहमदाबाद, पीआरएसआई - अहमदाबाद चेप्टर,जिसको VIZAG में आयोजित 39वे पीआरएसआई ऑल इन्डिया नेशनल कॉन्फरन्समें श्रेष्ठ चेप्टर का पुरस्कार दिया गया था। पीआरएसआई - अहमदाबाद चेप्टर ने राष्ट्रीय महिला दिन के उत्सव के अभिरुप रविवार के दिन फेलिटेशन -2018 का आयोजन अहमदाबाद मेनेजमेन्ट असोसिएशन में किया गया था।

इस कार्यक्रम में 14 महिलाओ की जो अपने क्षेत्रमें प्रसिद्ध है उनको सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित हर महिला के द्वारा केक काटी गई। एवं श्रीदेवी की यादमे गाने गाये गए और उसके ऊपर क्रिज़ भी खेली गई। सखी - धी लेडी मैगज़ीन, समस्त ब्राह्मण कुटुंब ट्रस्ट, वेनिला केक शोप और वेली रिसोर्ट जैसे ब्रांड्स इस कार्यक्रम के साथ संकलित हे।

इस कार्यक्रम में पीआरएसआई - अहमदाबाद चेप्टर के पदाधिकारी श्री आर.के. सिंध(अध्यक्ष),श्री उन्मेष दीक्षित (वाइस प्रेसिडेन्ट),श्री सुभोजित सेन(सेक्रेटरी) एवं और भी सदस्य उपस्थित रहे। (19-10)

कैलिफोर्निया वॉलनट कमीषन ने भारत में ब्रांड के नए लोगो का अनावरण किया

नई दिल्ली, कैलिफोर्निया वॉलनट कमीषन ने आज ग्लोबल ब्रांडिंग के अभ्यास के तहत भारतीय ग्राहकों के लिए अपना नया लोगो लॉन्च किया। इस लोगो में सूर्य की इमेज़ दिखाई गई है, जो कैलिफोर्निया वॉलनट्स की गुणवत्ता और रूट्स को प्रतिबिंबित करती है। ब्रांड के नए लोगो का उपयोग कमीषन द्वारा किए जाने वाले सभी कंज़्यूमर और इंडस्ट्री कम्युनिकेषंस में किया जाएगा।

इस लॉन्च के बारे में कु. मिषेल कोनेली, एक्ज़िक्यूटिव डायरेक्टर एवं सीईओ, कैलिफोर्निया वॉलनट बोर्ड एवं कमीषनने कहा, ''हमारा उद्देष्य ग्राहकों के लिए अपने कम्युनिकेषन एवं वॉलनट्स में दिखने वाले कनेक्षन को मजबूत करना है। अमेरिका और दुनिया में बिकने वाले वॉलनट्स और वॉलनट उत्पादों के लिए इस लोगो का प्रारंभ एक व्यापक उद्देष्य की षुरुआत है।''

इस आकर्शक परिवर्तन के बारे में पामेला ग्रेविएट, सीनियर मार्केटिंग डायरेक्टर, इंटरनेषनल, कैलिफोर्निया वॉलनट बोर्ड एवं कमीषन ने कहा, ''हम भारत में अपने ग्राहकों को सर्वश्रेश्ठ क्वालिटी प्रदान करने के मिषन के साथ नए लोगो का अनावरण करने के लिए बहुत उत्साहित हैं। नया लोगो कैलिफोर्निया के सूर्य की चमक में आधी वॉलनट को दिखाता है। यह ग्राहकों को परिचित स्रोत से मिले गुणवत्तायुक्त उत्पाद का भरोसा दिलाता है। यह संपर्क वॉलनट उगाने वाले से लेकर रिटेलर तक पूरी फूड चेन का महत्व बढ़ाता है।'' (20-4)

महिला उद्यमियों के लिए उद्यम सखी पोर्टल का शुभारंभ

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सूक्ष्म ,लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय एमएसएमई की ओर से आज भारतीय महिला उद्यमियों के लिए www.udyamsakhi.org. के नाम से एक पोर्टल शुरु किया गया। एमएसएमई राज्य मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने आज यहां एक कार्यक्रम मे पोर्टल का शुभारंभ किया। श्री सिंह ने इस अवसर पर कहा कि देश में इस समय 80 लाख ऐसी महिलाएं हैं जिन्होंने अपना कारोबार शुरु किया है सफलातपूर्व उसे चला रही हैं। उन्होंने कहा कि एमएसएमई मंत्रालय का मानना है कि भारतीय महिलाएं देश की आर्थिक प्रगति में अहम भूमिका निभा सकती हैं।

पोर्टल के जरिए एक ऐसा नेटवर्क बनाने का प्रयास किया गया है जिसके जरिए उद्यमशीलता को बढावा दिया जा सके और साथ ही महिलाओं को स्वालंबी और सशक्त बनाने के लिए कम लागत वाली सेवाओं और उत्पादों के लिए कारोबार के नए मॉडल तैयार किए जा सकें।

पोर्टल के जरिए महिला उद्यमियों को कारोबार शुरु करने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण,निवशेकों से सीधे संपर्क,बाजार सर्वेक्षण सुविधा तथा तकनीकी सहयोग जैसी मदद उपलब्ध करायी गयी है। मंत्रालय में सचिव डाक्टर अरुण कुमार पांडा ने इस मौके पर महिला उद्दयमियों को संबोधित करते हुए कहा कि मंत्रालय खादी,ग्रामीण तथा कॅयर उद्योग सहित पूरे एमएसएमई क्षेत्र के विकास के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। इस काम में अन्य मंत्रालयों,राज्य सरकारों और सभी हितधारकों से मदद ली जा रही है।

इस अवसर पर मत्रालय की संयुक्त सचिव अल्का अरोड़ा तथा अतिरिक्त विकास आयुक्त अनंत शेरखाने भी उपस्थित थे।

अद्वितीय इतिहास स्क्रीन पर जीवित हो उठेगा फ़िल्म के धमाके दार ट्रेलर से दर्शकों की उम्मीदें बढ़ीं

परमवीर चक्र विजेता सूबेदार जोगिंदरसिंह की बायोपिक 6 अप्रैल से देशभर के सिनेमा घरों में रिलीज होगी। ये जानकारी फिल्म के डायरेक्टर समरजीतसिंह ने दी। इस दौरान उन्होंने कहा किभारत-चीन युद्ध के दौरान 1962 में चीनी हमलों का मुंहतोड़ जवाब देने वाले बहादुर सिपाही की बायोपिक 'सूबेदार जोगिंदरसिंह' ने फिर से साबित कर दिया है कि यह फिल्म बेहतर तरीके से और बढ़िया सिनेमा टिक्स के ज़रिये लोगों को उस समय के हालातों से अवगत कराती है।21वीं सदी केआगमन केसाथ, फिल्म में किंा में जबर दस्त परिवर्तन आया है। आज कल युवाओं का रुझान काल्पनिक सिनेमा की तरफ अधिक है।

उन्होंने कहा कि आज कल युवाओं का रुझान काल्पनिक सिनेमा की तरफ अधिक है। हमारे देश में चारों तरफसमृद्ध संस्कृति, विरासत, ऐतिहासिक घटनाएं और किस्से हैं। उस नज़रिये से देखें तो हमारे पास दर्शकों को दिखाने और उन्हें देने के लिए ब हुत कुछ है। फिल्म निर्माताओं को सिनेमा की शक्ति का उपयोग एक सकारात्मक संदेश देने, अच्छे विचार साझा करने और दर्शकों तक वास्तविक और प्रेरणादायक कहानियां पहुंचाने के लिए करना चाहिए। वो घटनाएं और गाथाएं, जिनके बारे में ज्यादा तर लोग अनजान हैं।

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता राशीदरंगरेज़ द्वारा लिखित, सिमरजीतसिंह द्वारा निर्देशित और सुमीतसिंह द्वारा तैयार की गई फिल्म 'सूबेदार जोगिंदरसिंह' मे पहाड़ की दुर्गम चोटियों पर सूबेदार जोगिंदर सिंह के रूप में अभिनेता गिप्पीग्रेवाल अपनी पलटन के साथ नजर आर हे हैं। (3-3)

बंधन बैंक लिमिटेड: आरंभिक सार्वजनिक निर्गम 15 मार्च 2018 को खुलेगा

बंधन बैंक लिमिटेड (''कंपनी'' अथवा ''इश्यूअर'') ने गुरूवार, 15 मार्च, 2018 को अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम लाने का प्रस्ताव रखा है। कंपनी इस निर्गम के माध्यम से 119,280,494 इक्विटी शेयरों की पेशकश (''ऑफर'')कर रही है। इसमें 97,663,910 इक्विटी शेयरों का ताजा निर्गम शामिल है जबकि आइएफसी द्वारा 14,050,780 इक्विटी शेयरों और आइएफसी एफआइजी द्वारा 7,565,804 इक्विटी शेयरों की बिक्री (संयुक्त रूप में, ''विक्रय शेयरधारक'' और विक्रय शेयरधारकों द्वारा पेश किये जाने वाले यह इक्विटी शेयर्स ''ऑफर्ड शेयर्स'') की पेशकश की जायेगी (''ऑफर फॉर सेल'')।

बिड/निर्गम बंद होने की तारीख सोमवार, 19 मार्च 2018 है। इस निर्गम का प्राइस बैंड 370 रूपये से 375 रूपये प्रति इक्विटी शेयर है। बिड्स न्यूनतम 40 इक्विटी शेयरों एवं उसके बाद 40 इक्विटी शेयरों के गुणक में लगाई जा सकती हैं। इक्विटी शेयरों को 7 मार्च, 2018 के रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (''आरएचपी'') के जरिये पेश किया जा रहा है। इक्विटी शेयर बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होना प्रस्तावित हैं। इस निर्गम के लिए बुक रनिंग लीड मैनेजर्स (''बीआरएलएम्स'') कोटक महिन्द्रा कैपिटल कंपनी लिमिटेड, ऐक्सिस कैपिटल लिमिटेड, गोल्डमैन सैश (इंडिया) सिक्युरिटीज प्राइवेट लिमिटेड, जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड और जे.पी. मॉर्गन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड हैं। कार्वी कम्प्यूटर शेयर प्राइवेट लिमिटेड को इस निर्गम के लिए रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है। (1)

एस. एस. इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट का आईपीओ मार्च में प्रस्तुत होगा

अहमदाबाद, इंजीनियरिंग कंसल्टंसी के व्यवसाय में संलग्न और एक एकीकृत इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट समाधान प्रदाता कंपनी, एस. एस. इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कंसल्टेंट्स लिमिटेड (कंपनी), मार्च में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ़ इंडिया लिमिटेड के इमर्ज प्लैटफॉर्म (एनएसई इमर्ज) पर अपना आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव (आईपीओ या निर्गम) प्रस्तुत करेगी।

इस प्रस्ताव में कंपनी के 10 रुपये प्रति के अंकित मूल्य वाले 42,80,000 इक्विटी शेयरों (इक्विटी शेयर) का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम शामिल है।

कंपनी 5,00,000 इक्विटी शेयरों के एक आईपीओ पूर्व आवंटन और / या कुल 250.00 लाख रुपये तक के इक्विटी शेयर कुछ निवेशकों के लिए करने पर विचार कर रही है। यदि आईपीओ पूर्व आवंटन पूरा हो जाता है, तो उस आईपीओ पूर्व आवंटन तक निर्गम का आकार कम हो जायेगा, जो कि जनता को प्रदान किए जा रहे निर्गम उपरांत भुगतान की हुई इक्विटी शेयर निधि के 25 प्रतिशत के न्यूनतम निर्गम आकार के अधीन होगा।

इक्विटी शेयरों का अंकित मूल्य 10 रूपये प्रति शेयर है।

प्राप्त होने वाली विशुद्ध राशि मौजूदा कार्यालयों के नवीनीकरण और नई शाखाओं के कार्यालय खोलने; सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर की खरीद; हमारी कंपनी द्वारा लिए गए सुरक्षित और असुरक्षित ऋणों के पुनर्भुगतान करने; हमारी कंपनी की कार्यशील पूँजी की आवश्यकताओं को वित्तपोषण प्रदान करने; सामान्य कॉर्पोरेट प्रयोजनों (सामूहिक रूप से, यहाँ जिन्हें वस्तुओं के तौर पर संबोधित किया गया है) हेतु उपयोग किया जायेगा। (3-1)

सूचना
कृपया आपके विज्ञापन व समाचार हमारे निम्न लिखित ई-मेल पर ही भेंजे :
alpaviram@gmail.com